



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 170]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अप्रैल 4, 2003/चैत्र 14, 1925

No. 170]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 4, 2003/CHAITRA 14, 1925

वित्त एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 2003

सं. 33/2003-केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

सा.का.नि. 319(अ).— केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 5 क की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा किया जाना आवश्यक है, केन्द्रीय उत्पाद टैरिफ अधिनियम, 1985 (1986 का 5) की प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट ऐसे सभी उत्पाद शुल्क्य मालों जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है को जिन्हें विशेष आर्थिक जोन में उत्पादित या विनिर्मित किया गया है और जिनकी निकासी ऐसे व्यक्ति को की गई है, जो:—

- (क) प्रक्रियाओं के हस्तक, जिल्द-1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित, निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.8 के निबंधनों में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा अग्रिम अनुज्ञप्ति के विरुद्ध जारी अग्रिम निर्मुक्ति आदेश को या प्रक्रियाओं के हस्तक, जिल्द-1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित, निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.9 के निबंधनों में किसी बैंक द्वारा जारी बैंक-टू-बैंक अन्तर्देशीय साखपत्र को धारण कर रहा है, उस पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय संपूर्ण केन्द्रीय उत्पाद शुल्क से छूट प्रदान करती है;
- (ख) प्रक्रियाओं के हस्तक, जिल्द-1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित, निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.8 के निबंधनों में अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा शुल्क मुक्त पुनःपूर्ति प्रमाण-पत्र (डी एफ आर सी) के विरुद्ध जारी अग्रिम निर्मुक्ति आदेश को या प्रक्रियाओं के हस्तक जिल्द-1 के सुसंगत उपबंधों के साथ पठित निर्यात और आयात नीति के पैरा 4.1.9 के निबंधनों में किसी बैंक द्वारा जारी बैंक-टू-बैंक अन्तर्देशीय साखपत्र को धारण कर रहा है, उस पर उक्त केन्द्रीय उत्पाद शुल्क की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय शुल्क के उस भाग से, जो भारत से बाहर उत्पादित या विनिर्मित समान मालों पर, यदि उनका भारत में आयात किया जाता है तो, उद्ग्रहणीय ऐसे सीमा शुल्क के जो सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, और उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 3 क के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय विशेष अतिरिक्त सीमा शुल्क के समतुल्य है, छूट प्रदान करती है,

किन्तु यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए होगा, अर्थात् :—

- (i) अग्रिम अनुज्ञप्ति धारक/डी एफ आर सी धारक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/सीमा शुल्क के समुचित अधिकारी के समक्ष यथास्थिति, उक्त अग्रिम निर्मुक्ति आदेश उसमें इस अधिसूचना के अनुसार निकासी किए जाने के लिए अनुज्ञात उक्त मालों में से प्रत्येक की

मात्रा, वर्णन (इसमें तकनीकी विनिर्देश भी सम्मिलित हैं) और मूल्य विनिर्दिष्ट करते हुए या उसके बैंक-टू-बैंक अन्तर्देशीय साखपत्र की प्रति उसमें मूलतः देशी प्रदायकर्ता का नाम और पता विनिर्दिष्ट करते हुए प्रस्तुत करता है, और

- (ii) उक्त माल की निकासी अनुज्ञात करने से पूर्व केन्द्रीय उत्पाद/सीमा शुल्क का समुचित अधिकारी द्वारा, यथास्थिति, उक्त अग्रिम निर्मुक्ति आदेश या बैंक-टू-बैंक अन्तर्देशीय साखपत्र में प्रत्येक मद की मात्रा और मूल्य घटा दिए जाते हैं।

स्पष्टीकरण.— इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए :—

- (i) “निर्यात और आयात नीति” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना संख्या 1/आर ई/2003—2007 तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 1 अप्रैल, 2002—31 मार्च, 2007 अभिप्रेत है;
- (ii) “प्रत्येक प्रक्रियाओं के हस्तक जिल्द-1” से भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय की समय-समय पर यथा संशोधित सार्वजनिक सूचना संख्या 1 (आई ई-2003)/2002—2007, तारीख 31 मार्च, 2003 द्वारा प्रकाशित प्रक्रियाओं का हस्तक जिल्द-1, 1 अप्रैल, 2002—31 मार्च, 2003 अभिप्रेत है;
- (iii) “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से विदेशी व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 का 22) या उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी अभिप्रेत है।

[फा. सं. 305/45/2003-एफ.टी.टी.]

डी. एस. गर्व्याल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 4th April, 2003

No. 33/2003-CENTRAL EXCISE

G.S.R. 319 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excise Act, 1944(1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts all excisable goods (hereinafter referred to as the said goods) specified in the First Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), produced or manufactured in a special economic zone and cleared to a person -

- (a) holding an advance release order issued by the licensing authority against an advance licence in terms of paragraph 4.1.8 of the Export & Import Policy, read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume I, or a back to back inland letter of credit issued by a bank in terms of paragraph 4.1.9 of the Export and Import Policy read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume I from the whole of the duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excise Act;
- (b) holding an advance release order issued by the licensing authority against a Duty Free Replenishment Certificate (DFRC) in terms of paragraph 4.1.8 of the Export & Import Policy read with relevant provision of the Handbook of Procedures, Volume I, or a back to back

inland letter of credit issued by a bank in terms of paragraph 4.1.9 of the Export and Import Policy read with relevant provisions of the Handbook of Procedures, Volume I from that portion of duty of excise leviable thereon under section 3 of the said Central Excise Act, as is equal to the duty of customs leviable on like goods produced or manufactured outside India if imported into India, which is specified in the First Schedule to the Custom Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and special additional duty of customs leviable thereon under section 3A of the said Customs Tariff Act:

subject to the following conditions, namely:-

- (i) the advance licence holder/ DFRC holder produces the said advance release order specifying therein the quantity, description (including the technical specifications) and the value of each of the said goods permitted to be cleared in accordance with this notification or, as the case may be, his copy of back to back inland letter of credit specifying therein the name and address of the indigenous supplier in original before the proper officer of Central Excise/Customs; and
- (ii) the quantity and the value of each of the items are debited by the proper officer of Central Excise/Customs in the said advance release order or as the case may be, the back to back inland letter of credit, before allowing clearance of the said goods.

Explanation. - For the purposes of this notification, -

- (i) “Export and Import Policy” means Export and Import Policy, 1 April 2002 – 31 March 2007, published by the Government of India in the Ministry of Commerce and Industry vide notification No. 1 (RE-2003)/2002-07, dated 31st March, 2003, as amended from time to time;
- (ii) “Handbook of Procedures, Volume I ” means Handbook of Procedures Volume I, 2002-2007 published by the Government of India, Ministry of Commerce and Industry vide Public Notice No. 1(RE-2003)/2002-07, dated 31st March, 2003, as amended from time to time;
- (iii) “Licensing Authority,” means an authority competent to grant a licence under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 (22 of 1992) or the rules made thereunder.

[F.No. 305/45/2003-FTT]

D. S. GARBYAL, Under Secy.